**भारत सरकार**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**सोमवार, 28 जुलाई, 2014, 6 श्रावण, 1936 (शक) अतारांकित प्रश्‍न सं. 2084**

**सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए व्यक्ति**

**2084. डा. के. पी. रामालिंगम:**

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में प्रति चार मिनट में एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना में मारा जाता है और सिर्फ 2012 में ही 1,40,000 मौतें दर्ज की गई हैं;

(ख) क्या विगत दशक में, देश में सड़क दुर्घटनाओं में एक मिलियन से भी ज्यादा लोगों ने अपनी जान गवां दी है और 5 मिलियन से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल या स्थायी रूप से विकलांग हो गए हैं;

(ग) क्या सड़क सुरक्षा वर्ष 2001 से भारत की लचर नीतियों का शिकार रही है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्‍तर**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री कृष्‍णपाल गुर्जर)**

**(क) और (ख)** सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के परिवहन अनुसंधान स्‍कंध द्वारा प्रकाशित ‘’भारत में सड़क दुर्घटनाएं, 2012’’ के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं के कारण वर्ष 2012 में 1,38,258 मौतें दर्ज की गई थीं । इस संख्‍या का अर्थ है 4 मिनट में एक सड़क दुर्घटना । वर्ष 2003 से 2012 तक के विगत 10 वर्षों के दौरान देश में सड़क दुर्घटनाओं में 11,54,553 लोगों ने अपनी जान गंवाई और 49,61,970 लोग गम्‍भीर रूप से घायल हुए ।

**(ग) और (घ)** वर्ष 2005 में भूतल परिवहन मंत्रालय में पूर्व सचिव श्री एस. सुन्‍दर की अध्‍यक्षता में एक समिति का गठन अन्‍य बातों के साथ-साथ राष्‍ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति के मसौदे की सिफारिश करने के लिए किया गया था । इस समिति ने राष्‍ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति के मसौदे की सिफारिश की जिसे सरकार द्वारा मार्च 2010 में अनुमोदित किया गया । अनुमोदित राष्‍ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति के आधार पर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपनाई है । मंत्रालय ने (i) शिक्षा (ii) प्रवर्तन (iii) इंजीनियरी (सड़क एवं वाहन) और (iv) आपात चिकित्‍सा सहायता नामक 4 सड़क सुरक्षा घटकों के संबंध में 5 पृथक-पृथक कार्य ग्रुप गठित किए हैं । इन कार्य ग्रुपों ने अपनी रिपोर्टें प्रस्‍तुत कर दी हैं जो राज्‍य सरकारों द्वारा कार्यान्‍वयन किए जाने के लिए मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्‍ध है ।

\*\*\*\*\*\*